PGDDM

सत्रीय कार्य 2026

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी.जी.डी.डी.एम.)

समाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110 068

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

एम.पी.ए.–001
प्राकृतिक आपदाओं को समझना
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–001
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2026
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. आपदा प्रबंधन चक्र में आपदा प्रबंधन की कई अवस्थाएँ होती हैं'। सविस्तार लिखिए।
2. भारत में केन्द्रीय स्तर पर आपदा प्रबंधन के संगठनात्मक ढाँचे की चर्चा कीजिए।
3. बाढ़ की प्रकृति और बाढ़ आपदा न्यूनीकरण में तैयारी और अनुक्रिया के महत्व का वर्णन कीजिए।
4. भारत में सुखा प्रबंधन व्यवस्था की व्याख्या कीजिए।
5. निम्नलिखित पर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) चक्रवात की चेतावनी और पूर्वानुमान पद्धति।

   (ख) भूकंप से सम्बद्ध संकट और प्रभाव।

भाग–II

6. अवधाव संकट न्यूनीकरण की सक्रिय पद्धतियों और प्रबंधन योजना की चर्चा कीजिए।
7. भारत में भूस्खलन से सम्बन्धित खतरा कम करने के उपायों की व्याख्या कीजिए।
8. ज्वालामुखी उद्‌गार से सम्बद्ध संकट के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख कीजिए और ज्वालामुखी संकट न्यनीकरण की तकनीकें सुझाइए।
9. समुद्र तल के ऊपर उठने से होने वाले प्रभावों की व्याख्या कीजिए।
10. निम्नलिखित पर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) शीत लहरों से बचाव।

(ख) कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव।